दैनिक जागरण पटना, 9 मई 2013

2020 तक सरप्लस बिजली

- दो साल के भीतर किसानों को मिलेगी पर्याप्त बिजली : ऊर्जा मंत्री
- 2015 तक पांच हजार मेगावाट बिजली मिलने लगेगी
- 'पावरिंग बिहार' विषय पर सेमिनार का आयोजन

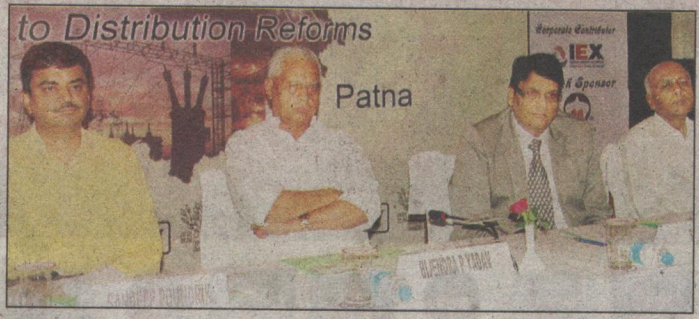

सेमिनार में ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव व अन्य जागरण

निज प्रतिनिधि, पटना : 2020 तक बिजली उत्पादन के क्षेत्र में बिहार आत्म निर्भर बन जाएगा। यहां की बिजली देश के अन्य हिस्सों में जाएगी। 2015 तक पांच हजार मेगावाट बिजली उपलब्ध हो जाएगी। ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव उक्त बातें कंफेडरेशन आफ इंडियन इंडस्ट्रीज (सीआइआइ) के तत्वावधान में बुधवार को होटल मौर्या में 'पावरिंग बिहार : एप्रोच टू डिस्ट्रीब्यूशन रिफार्म' विषय पर आयोजित सेमिनार का शुभारंभ करते हुए कहीं। इस मौके पर सीआइआइ अध्यक्ष सुभाष सेठी भी उपस्थित थे। स्वागत भाषण सीआइआइ के पूर्व अध्यक्ष प्रमोद शर्मा ने किया।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बिहार की 80 प्रतिशत आबादी गांव में बसती है। राज्य सरकार कृषि के लिए पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध कराएगी। बिहार देश के अनाज का 40 प्रतिशत अपने दम पर उत्पादन कर सकता है। केन्द्र सरकार अनाज सुरक्षा की बात कह रही है तो चार-पांच हजार करोड़ रुपये उपलब्ध करा दे, ताकि किसानों को पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की अधिक आबादी मुंबई में है, फिर भी 75 हजार करोड़ रुपये विद्युत क्षति हो रही है। बिहार में विद्युत क्षति कम करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

इस अवसर पर बिहार विद्युत विनियामक आयोग के अध्यक्ष यूएन पंजीयार ने कहा कि दिल्ली में संचरण की क्षति घट सकती है, तो बिहार में क्यों नहीं? समय पर तार बदलने, मीटर लगाने, रीडिंग लेने, वितरण करने, राजस्व वसूली करने से विद्युत कंपनियों की स्थिति में सुधार आ सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार टीएण्डटी लास कम करने के लिए प्रयासरत है। इस अवसर पर ऊर्जा सचिव संदीप पौंड्रिक ने कहा कि जून माह तक हर हालत में घर-घर मीटर लग जाएंगे। राजस्व वसूली 400 करोड़ रुपये पहुंचाने का लक्ष्य है। अभी 250 करोड़ राजस्व वसूली हो रही है तथा 350 करोड़ रुपये का प्रतिमाह नुकसान हो रहा है। टाटा पावर, दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के मुख्य कार्यपालक निदेशक प्रवीर सिन्हा ने दिल्ली में विद्युत क्षति कम करने के प्रयास पर प्रकाश डाला।